No. of Printed Pages : 6

BPY-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHISOLOPHY PART-I

Time : 3 Hours] *[Maximum Marks : 100*

Note: Answer all the five questions. All questions carry equal marks. Answer to question No. 1 and 2 should be in about 400 words each

1. What are Vedangas? Explain their functions in detail. 20

Or

Write an essay on the problem of Atheism. 20

2. What is Religions Pluralism? Explain some pratical responses to Religions Pluralism. 20

Or

Give a detailed account of Jaina epistemology. 20

3. Answer any two of the following questions within 200 words each:

(a) Explain the different theories of theology in the Vedas. 10

(b) Explain St. Thomas Aquinas' Analytical way to prove the Existence of God. 10

(c) Write a short note on religions fundamentalism. 10

(d) Give an account of the practical teachings of Buddhism. 10

4. Answer any four of the following questions in about 150 words each:

(a) Describe the vision of life in the Is a Upanishad. 5

(b) Explain briefly the metaphysical views of Buddhism. 5

(c) Give a brief account of the Vaibhasika and the Sautrantika Schools of Buddhism. 5

(d) Explain the Natural Attributes of God. 5

(e) What are the important aspects of religious experience?

(f) How is Religion viewed in post-modernism? 5

5. Write short notes on any five of the following questions in about 100 words each:

(a) Moksha 4

(b) Religious Toleration 4

(c) Agnoticism 4

(d) Swapiti 4

(e) Prana and human body 4

(f) Tri ratnas in Jainism 4

(g) Offering 4

(h) Marx's views on religion 4

—x—

बी.पी.वाई.-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

ऐच्छिक कार्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग-I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोटः सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर 400 शब्दों में दीजिए।

1. वेदांग क्या है? उनके कार्यों की विस्तार से व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

निरीश्वरवाद की समस्या पर निबन्ध लिखिए। 20

2. धार्मिक बहुलतावाद क्या है? धार्मिक बहुलवाद के प्रति कुछ व्यवहारिक प्रतिक्रियाओं की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

जैन ज्ञानमीमांसा का विस्तार से विवरण प्रस्तुत कीजिए। 20

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

(a) वेदों में उपस्थित विभिन्न ईश्वरमीमांसीय सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। 10

(b) ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए सेंट थॉमस एक्वीनास द्वारा प्रयुक्त विश्लेषणात्मक ढंग की व्याख्या कीजिए। 10

(c) धार्मिक कट्टरपन पर टिप्पणी लिखिये। 10

(d) बौद्ध दर्शन की व्यावहारिक शिक्षाओं का विवरण प्रस्तुत कीजिए। 10

4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

(a) ईशोपनिषद की जीवन-दृष्टियों का वर्णन कीजिए। 5

(b) बौद्ध दर्शन के तत्वमीमांसीय विचारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 5

(c) बौद्ध दर्शन की वैभाषिक एवं सौत्रान्तिक शाखाओं का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5

(d) ईश्वर के प्राकृतिक गुणों की व्याख्या कीजिए। 5

(e) धार्मिक अनुभव के महत्त्वपूर्ण पक्ष कौन-कौन से हैं? 5

(f) उत्तराधुनिकतावाद में धर्म को कैसे देखा जाता है? 5

5. किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए:

(a) मोक्ष 4

(b) धार्मिक सहिष्णुता 4

(c) अज्ञेयवाद 4

(d) स्वापति 4

(e) प्राण एवं मानव शरीर 4

(f) जैन दर्शन के त्री रत्न 4

(g) भेंट 4

(h) धर्म पर मार्क्स के विचार 4

—x—